ਧਾਰ - 02

दादी माँ

कहानी से:

उत्तर1: जब लेखक को मालूम हुआ कि दादी माँ की मृत्यु हो गयी है तो उनके सामने दादी माँ के साथ बिताईं गई कई यादें सजीव हो उठती है। उसे अपने बचपन की स्मृतियाँ-गंधपूर्ण झाग भरे जलाशयों में कूदना, बीमार होने पर दादी का दिन-रात सेवा करना, किशन भैया की शादी पर औरतों द्वारा किए जानेवाले गीत और अभिनय के समय चादर ओढ़कर सोना और पकड़े जाना साथ ही उसे रामी चाची की घटना भी याद आ जाती हैं।

उत्तर2: दादा की मृत्यु के पश्चात् लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब होने का कारण उनके पिताजी व भैया द्वारा धन का सही उपयोग न किया जाना था। ग़लत मित्रों की संगति से सारा धन नष्ट कर डाला। दादा के श्राद्ध में भी दादी माँ के मना करने पर भी लेखक के पिताजी ने अपार संपत्ति व्यय की।

उत्तर3: दादी माँ के स्वभाव का सेवा, संरक्षण, परोपकारी व सरल स्वभाव आदि का पक्ष हमें सबसे अच्छा लगता है। दादी माँ मुँह से भले कड़वी लगती थी परन्तु घर के सदस्यों तथा दूसरों की आर्थिक मदद के लिए हर समय तैयार रहती थी। रामी चाची का कर्ज माफ़ कर उसे नकद रूपए भी दिए ताकि उसकी बेटी का विवाह निर्विघ्न संपन्न हो जाए। इन्हीं के कारण ही वे दूसरों का मन जीतने में सदा सफल रहीं।

कहानी से आगे:

उत्तर1: क्वार - इस महीने में न तो अधिक गर्मी और न ही अधिक सर्दी होती है अर्थात् हल्की-हल्की ठंड रहती है। आमतौर पर मौसम साफ़ रहता है।

आषाढ़ - वैसे यह मौसम वर्षा का होता है परन्तु इस महीने वर्षा न हो तो गर्मी बढ़ जाती है। माघ - इस महीने में अत्यधिक सर्दी होती है।

उत्तर2: क्वार के महीने में तरबूज, खरबूज, फालसे और लीची मिलते हैं। आषाढ़ के महीने में आम, जामुन और खीरा मिलते हैं। माघ के महीने में अंगूर, केले, अमरुद और गुड मिलते हैं।

भाषा की बात

उत्तर1: 1.नीला-सा : आकाश नीला-सा हो गया है।

2.रुई-से : नानीजी के बाल रुई-से सफ़ेद हो गए थे।

3.मिश्री-सी : बाल कृष्ण की बातें गोपियों को मिश्री-सी लगती थीं।

4.चाँद-सा : उसका चेहरा चाँद-सा गोल है।

5.सागर-सी : उसकी आँखों में सागर सी गहराई है।

NCERT Solution

उत्तर2: 1.बच्चे अपने उत्तरों को बोल-बोलकर याद कर रहे थे।

2.3स नन्हें बच्चे की शरारतों को देख-देखकर हम थक गए थे।

3.ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर त्म क्या साबित करना चाहते हो?

4.बार-बार उसके उस सवाल से हम तंग आ गए थे।

5.पुलिस ने अपराधी को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

उत्तर3: काहे, बंदा, किरपा, कार-परोजन, लचमन, आपा, भनक, घना, बटेऊ आदि।